आईआईएफएल फाउंडेशन ने राजस्थान में 35000 स्कूली लड़कियों के लिए 'आरोग्य' पहल शुरू की

आईआईएफएल फाउंडेशन ने राजस्थान में 35,000 स्कूली लड़कियों के लिए एक अनूठी स्वास्थ्य पहल- 'आरोग्य' शुरू की है। आईआईएफएल फाउंडेशन भारत के सबसे बड़े बालिका शिक्षा कार्यक्रम 'सखियों की बाड़ी' को राजस्थान के 1100 से अधिक सामुदायिक स्कूलों में चलाता है। जहाँ पर बालिकाओं को नि शुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। इस प्रोग्राम में वह लड़कियाँ शामिल है जो कि किसी कारणवश गवर्नमेंट स्कूल नहीं जा पाती है, अशिक्षित है और स्कूल से ड्रॉपआउट हो गई है। इसी प्रोग्राम के अंतर्गत हमने एक नया अभियान चालू किया है जिसे आरोग्य नाम दिया गया है। इस अभियान के अंतर्गत हमारे सेंटर पर पढ़ने वाली सभी बालिकाओं का स्वास्थ्य निरीक्षण किया जाएगा। मिस मधु जैन, डायरेक्टर, आईआईएफएल फाउंडेशन ने बताया कि यह अभियान का पहला चरण है और इसका मकसद जल्द हस्तक्षेप है और इसमें हमें पता चलेगा कि कौन बालिका कुपोषित है ,किसे आँखों की बीमारी है और किसे दांतों की समस्या है। फिर दूसरे चरण में हम इन्हें डॉक्टर से मिलवाएंगे और उसका क्या संभव ट्रीटमेंट हो सकता है उसके बारें में चर्चा की जाएगी और उसे दूर करने के लिए आईआईएफएल फाउंडेशन की तरफ से हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। सुश्री जैन ने कहा कि हाल ही में राजस्थान गवर्नमेंट ने भी निरोग राजस्थान अभियान की शुरुआत करने का ऐलान किया है। ये हमारे लिए भी बहुत खुशी की बात है और इसमें हम गवर्नमेंट के साथ मिलकर काम कर सकते हैं। हमारा ऐसा मानना है कि कोई भी सोसाइटी तब तक समृद्धिशाली नहीं हो सकती जब तक कि वह खुद समृद्धिशाली होने का प्रयास ना करें।